The Little Boy and the Big Fish

Max Velthuijs





छोटा लड़का और बड़ी मछली

मैक्स वेल्थुइज



Once upon a time there was a boy who lived in the country with his mother, a cat, some chickens and a cock. He loved to go fishing. Sometimes he caught one or two little fish, but most of the time he dreamed about catching a great big fish.

Early one morning he took his fishing rod and went down to the lake to try his luck. It was a fine day, and when he reached the water's edge, he found a comfortable place, baited his hook and began to fish.

एक बार की बात है, एक लड़का अपनी माँ, एक बिल्ली, कुछ मुर्गियों और एक मुर्गे के साथ देहात में रहता था. उसे मछली पकड़ने जाना बहुत पसंद था. कभी-कभाद वह एक या दो छोटी मछलियाँ पकड़ भी लेता था, लेकिन ज़्यादातर समय वह एक बड़ी मछली पकड़ने का सिर्फ सपना ही देखता था.

एक सुबह वह अपनी मछली पकड़ने वाली बंसी लेकर अपनी किस्मत आजमाने के लिए नदी पर गया. वो एक अच्छा दिन था, और जब वह पानी के किनारे पहुँचा, तो उसे एक आरामदायक जगह मिली. उसने बंसी में हुक और चुग्गा लगाया और मछली पकड़ना शुरू कर दीं.

He waited. And he waited. Would the big fish come? The water was still and the weather just right for fishing.

The sound of the humming of bees filled the air. Butterflies darted about overhead and the birds sang. A little beetle crawled towards the boy. But no fish came.

Perhaps the fish were not hungry. But the boy was! He fixed his fishing rod to the ground, and began to eat, never taking his eyes off the float on the water. He ate bread and butter and an apple, and had a big drink of milk. Then he felt sleepy, so he lay down on the grass, closed his eyes, and dreamed—about a great big fish.

वह इंतज़ार करता रहा. वो काफी देर तक इंतज़ार करता रहा. क्या कोई बड़ी मछली फंसेगी? पानी शांत था और मौसम मछली पकड़ने के लिए बिल्कुल सही था.

मधुमक्खियों की भिनभिनाहट हवा में भर गई. तितलियाँ ऊपर उड़ रही थीं और पक्षी गा रहे थे. एक छोटा सा कीड़ा लड़के की ओर रेंग रहा था. लेकिन कोई भी मछली नहीं फंसी.

शायद मछलियाँ भूखी नहीं थीं. लेकिन लड़का ज़रूर भूखा था! उसने अपनी मछली पकड़ने की बंसी को ज़मीन पर टिका दिया, और पानी पर तैरती मछलियों से अपनी नज़रें हटाते हुए उसने खाना शुरू कर दिया. उसने ब्रेड, मक्खन और सेब खाया और खूब सारा दूध पिया. फिर उसे नींद आ गई, इसलिए वह घास पर ही लेट गया, अपनी आँखें बंद कर लीं और फिर उसे सपना देखा - एक बहुत बड़ी मछली के बारे में.



Suddenly a noise awakened him. He looked for the float on the water. It had disappeared! He seized his rod and pulled and pulled. After a long struggle he landed a large and beautiful fish.

अचानक एक शोर ने उसे जगाया. उसने पानी पर तैरते लकड़ी के फ्लोट को तो देखा, लेकिन तब तक मछली गायब हो गई थी! उसने अपनी बंसी पकड़ी और उसे खींचता रहा. एक लंबी मशक्कत के बाद वो एक बड़ी और सुंदर मछली पकड़ पाया.





He could not believe bis eyes! He put the fish under his arm and hurried off home.

On the way, he met a farmer who said, "I'll buy that fish from you. It'll be just right for dinner," But the boy did not want to sell. "Nobody shall eat my fish," he replied. "I want him to live and be happy."

इतनी बड़ी मछली को देख उसे अपनी आँखों पर यकीन नहीं हुआ! उसने मछली को अपनी बाँह के नीचे दबाया और जल्दी से घर की ओर चल पड़ा.

रास्ते में उसे एक किसान मिला जिसने कहा, "मैं तुमसे वह मछली खरीद लूँगा. वो रात के खाने के लिए बहुत अच्छी रहेगी," लेकिन लड़का अपनी मछली बेचना नहीं चाहता था. "कोई भी मेरी मछली नहीं खाएगा," उसने जवाब दिया. "मैं चाहता हूँ कि वो ज़िंदा रहे और खुश रहे."



His mother was amazed when she saw how big the fish was. "He's beautiful, but he will soon die out of water," she said,

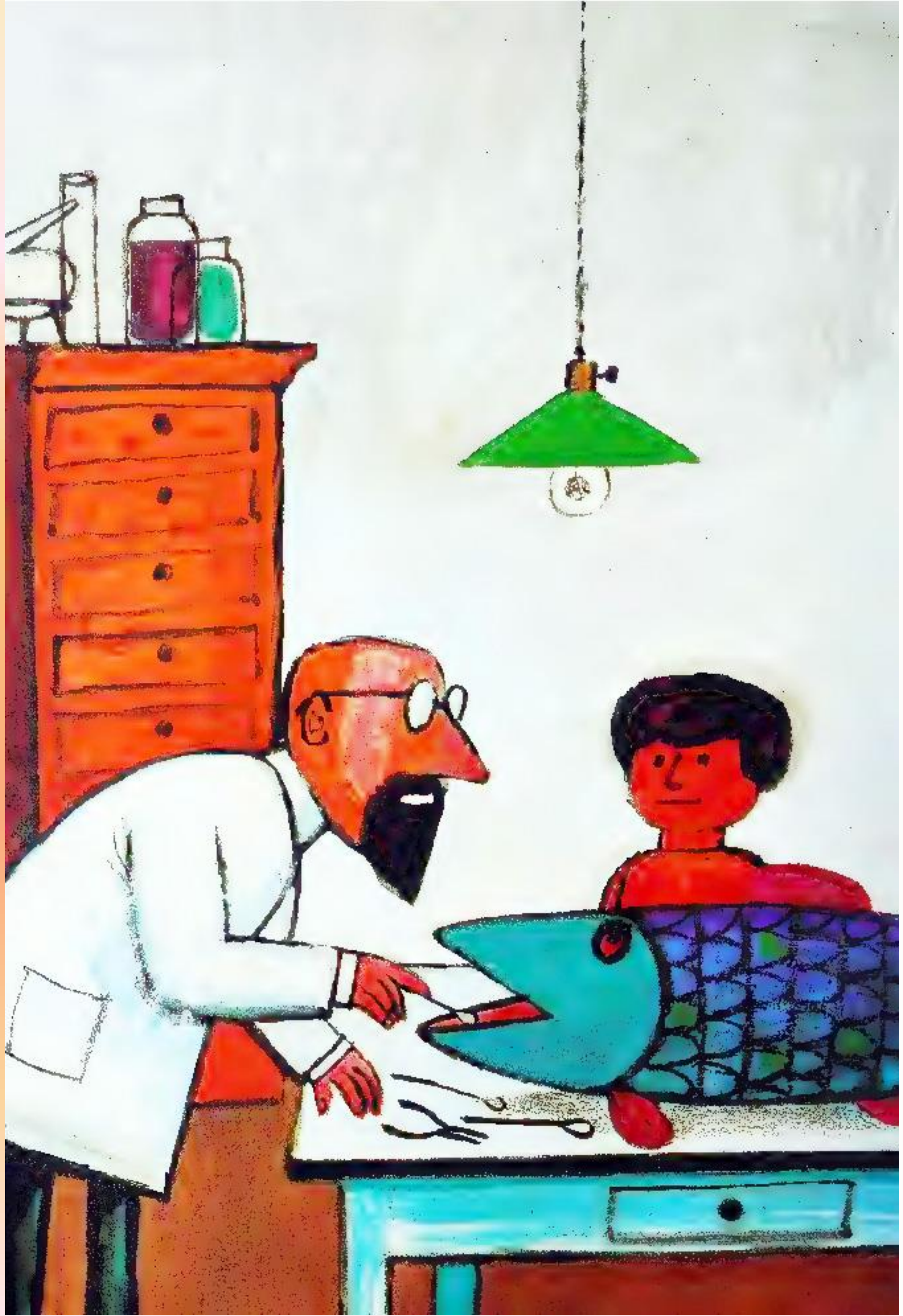
"Perhaps he could live in the bath-tub," said the boy. Quickly his mother fetched the tub and together they filled it with water. The boy put the fish in, but he was so large he could not move. He lay there, quite still.

He looked sad, and this made the boy sad too. He said to the fish, "I will go and fetch some flowers to put beside the tub so that you will feel more at home." When he had done that, he read to the fish. He chose nice stories about animals. The fish seemed to listen, but still he was unhappy.

मछली कितनी बड़ी थी यह देखकर उसकी मां भी हैरान रह गईं. "मछली सुंदर है, लेकिन वह जल्द ही पानी के बिना मर जाएगी," मां ने कहा, "शायद वह बाथ-टब में जीवित रह सके," लड़के ने कहा. जल्दी से उसकी माँ ने टब उठाया और दोनों ने मिलकर उसमें पानी भरा. लड़के ने मछली को टब में डाल दिया, लेकिन वह इतनी बड़ी थी कि वह टब में हिल भी नहीं सकती थी. मछली वहीं पड़ी रही, बिलकुल शांत. वह उदास दिख रही थी, और उसे देख लड़का भी दुखी हुआ. उसने मछली से कहा, "मैं टब के आसपास सजाने के कुछ फूल लाने जा रहा हूँ ताकि तुम घर जैसा महसूस करो." फूल सजाने के बाद लड़के ने मछली को एक किताब पढ़कर सुनाई. उसने जानवरों के बारे में अच्छी कहानियाँ सुनायीं. ऐसा लग रहा था जैसे मछली कहानियां सुन रही हो, लेकिन फिर भी वह दुखी थी.







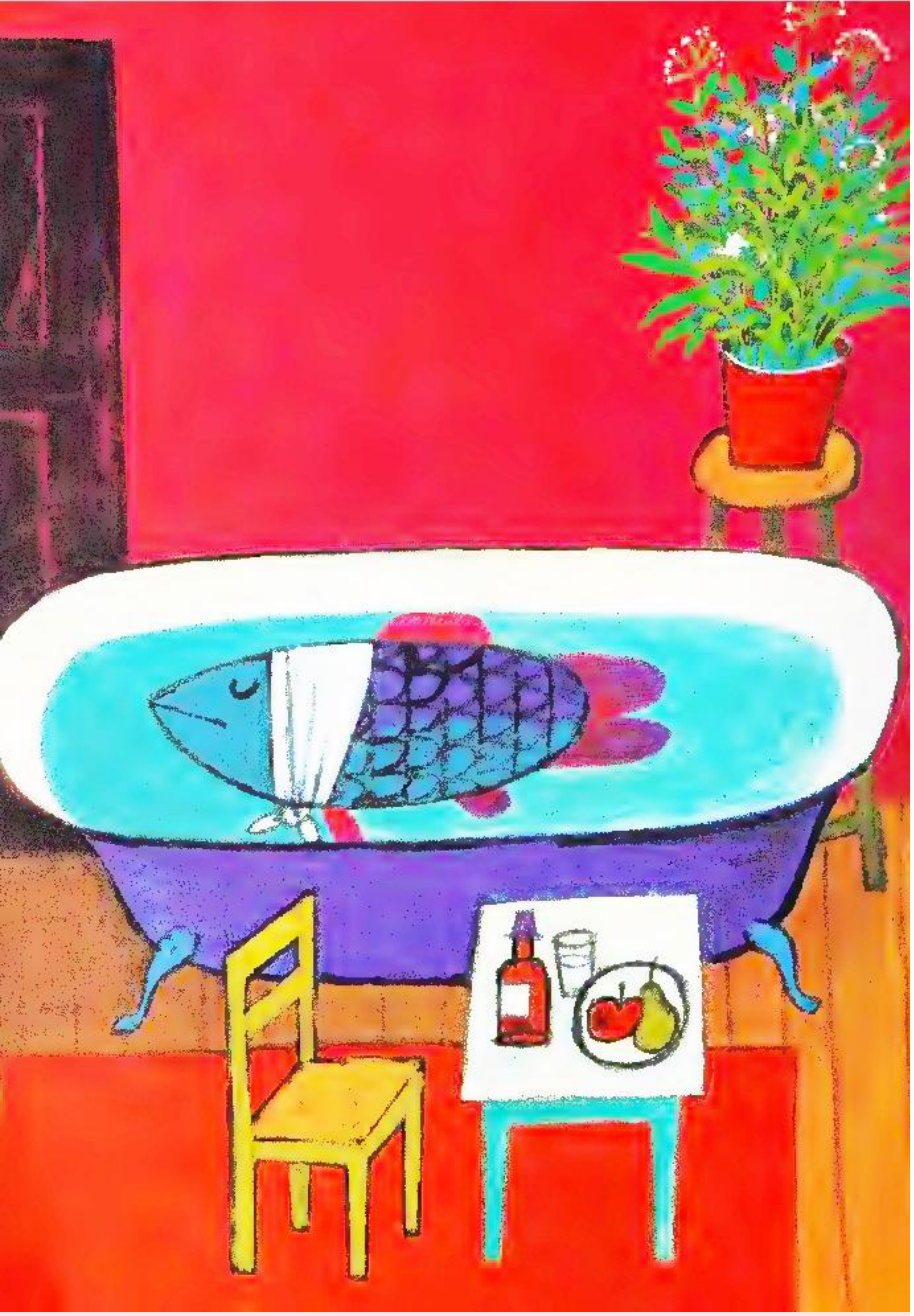
Next morning the fish was pale and did not want to eat. The boy, who by now loved him dearly, took him to the doctor. The doctor put him on the table and gently opened his mouth, "He has caught a cold," he said, and tied a bandage round his throat. The doctor gave the boy a bottle of medicine. "One spoonful three times a day" was written on the label.

Then the boy hurried home through the town, with the fish tucked under his arm.

The fish had never seen a town before. The traffic and the crowds of people frightened him, but he trusted the boy.

अगली सुबह मछली पीली पड़ गई और उसने खाना नहीं खाया. लड़का, जो अब तक उससे बहुत प्यार करने लगा था, उसे डॉक्टर के पास ले गया. डॉक्टर ने मछली को मेज़ पर लिटाया और धीरे से उसका मुँह खोला, "उसे सर्दी हो गई है," डॉक्टर ने कहा. फिर डॉक्टर ने मछली के गले में एक पट्टी बाँध दी. डॉक्टर ने लड़के को दवा की एक बोतल भी दी. लेबल पर लिखा था "दिन में तीन बार एक-एक चम्मच". उसके बाद लड़का मछली को अपनी बाँह में दबाए हुए शहर से होते हुए घर की ओर भागा. मछली ने पहले कभी शहर नहीं देखा था. ट्रैफिक और लोगों की भीड़-भाड़ ने उसे डरा दिया, लेकिन उसे लड़के पर भरोसा था.





As soon as they reached home the boy put the fish back in the bath-tub and immediately gave him a dose of the medicine. The fish was glad to be back in the water. Tomorrow I'll be quite well again, he thought, and with hope in his heart, he fell asleep.

And as he slept, he dreamed that his fins became wings. He flew out of the window. He saw the little house and the trees below. Above him the moon was shining.

जैसे ही वे घर पहुँचे, लड़के ने मछली को वापस नहाने वाले टब में डाल दिया और तुरंत उसे दवा की एक खुराक दी. मछली पानी में वापस आकर खुश थी. कल मैं फिर से ठीक हो जाऊँगी, मछली ने सोचा, और अपने दिल में इस उम्मीद को लिए वो सो गई. और जब वह सो रही थी, तो उसने सपना देखा कि उसके मीन-पंख, असली पंख बन गए थे. वह खिड़की से बाहर उड़ गई. उसने नीचे छोटा सा घर और उसके आसपास पेड़ देखे, जिनके ऊपर चाँद चमक रहा था.



Then he saw the lake, his old home. Joyfully he flew down towards it. He felt cool water lapping round him and he awoke, only to find that he was in the bath-tub. The beautiful dream was over.

फिर उसने नदी देखी, जहाँ उसका पुराना घर था. खुशी से वह नदी की ओर उड़ गई. उसने ठंडे पानी को महसूस किया उसके चारों ओर एक चक्कर लगा. लेकिन फिर वो जाग गई. उसने फिर से खुद को बाथ-टब में पाया. उसका सुंदर सपना खत्म हो गया था.



Early next morning the boy came with the bottle of medicine. He asked the fish how he felt. The fish looked at the boy longingly and the expression in his eyes said: I do not think there is anything wrong with me, but I am homesick for my lake. Please, please take me back there, for I shall never be happy in a bath-tub.

The boy understood, and because he loved the fish so much, he decided to give him back his freedom.

Very early the next morning he took the fish under his arm and made his way across the fields to the lake.

अगली सुबह-सुबह लड़का दवा की बोतल लेकर आया. उसने मछली से पूछा कि उसे कैसा लग रहा था. मछली ने लड़के को प्यार से देखा और उसकी आँखों में प्रेम का भाव था: मुझे नहीं लगता कि मुझे कोई बीमारी है, लेकिन मुझे अपनी पुरानी नदी की याद आ रही है. कृपया तुम मुझे वहां वापस ले चलो, क्योंकि मैं बाथ-टब में कभी खुश नहीं रहूंगी.

लड़का समझ गया, और क्योंकि वह मछली से बहुत प्यार करता था, उसने उसे आज़ाद करने का फैसला किया.

अगली सुबह बहुत जल्दी उसने मछली को अपनी बाँह के नीचे रखा और खेतों से होते हुए नदी की ओर चल पड़ा.



At the water's edge the boy said goodbye to his friend and put him gently into the water.

And when he saw how happy the fish was as he swam away, flipping his fins, he was happy too.

पानी के किनारे पर लड़के ने अपने दोस्त से अलविदा कहा और फिर उसे धीरे से पानी में डाल दिया.

उसने देखा कि मछली कितनी खुश थी. और जब मछली अपनी पूंछ हिलाती हुए तैरकर दूर चली गई, तो वह भी खुश हुआ.



